पाठ्यक्रम

राजनीति विज्ञान पेपर 2

1. पश्चिमी राजनीतिक विचार

- प्लेटो, अरस्तू, सिसरो, सेंट थॉमस एक्विनास
- मैकियावेली, हॉब्स, लोके, रूसो।
- बेंथम, जे.एस. मिल, हेगेल, टी.एच. ग्रीन।
- कार्ल मार्क्स, ग्राम्स्की, हैबरमास, फ्रांट्ज़ फैनन।
- हन्ना अरेंड्ट, जॉन रॉल्स, रॉबर्ट नोज़िक, माइकल वाल्ज़र।

2. राजनीतिक सिद्धांत

- राजनीतिक सिद्धांत की प्रकृति और आवश्यकता, इसकी मुख्य चिंताएँ, गिरावट और पुनरुत्थान।
- व्यवहारवाद और उत्तर-व्यवहारवाद। तथ्य-मूल्य द्वैतवाद।
- प्रणाली का दृष्टिकोण, संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण।
- समूह सिद्धांत, अभिजात वर्ग सिद्धांत, तर्कसंगत विकल्प सिद्धांत। • राष्ट्रवाद: यूरोपीय और गैर यूरोपीय। नारीवाद और उत्तर आधुनिकतावाद।

3. तुलनात्मक राजनीति विश्लेषण

- तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण- संस्थागतवाद और नई संस्थागतवाद, राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक विकास, राजनीतिक समाजीकरण।
- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य: पूंजीवादी और समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं और उन्नत औद्योगिक और विकासशील समाजों में राज्य की विशेषताएं और बदलती प्रकृति।
- शासन: नौकरशाही, सार्वजनिक नीति, सुशासन और लोकतांत्रिक शासन, नागरिक समाज।
- उपनिवेशवाद और विउपनिवेशीकरण: विकास और अल्पविकास, उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण।
- क्रांति और प्रतिरोध, लोकतंत्रीकरण। नए सामाजिक आंदोलन और समकालीन समाजों में परिवर्तन के पैटर्न।

4. भारत में राजनीतिक प्रक्रियाएँ और गतिशीलता

- भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- भारत को एक राष्ट्र राज्य के रूप में बनाना, स्वायत्तता की माँग और अलगाववादी आंदोलन, केंद्र-राज्य संबंधों में उभरती प्रवृत्ति, जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की प्रथाएँ।
- भारतीय राजनीति के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू- भारतीय राजनीति में जाति, वर्ग, धर्म, जातीयता और लिंग के मुद्दे, नागरिक समाज, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन।

- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल, दलों के वैचारिक और सामाजिक आधार, चुनावी व्यवहार में रुझान, चुनावी सुधार, दबाव समूह।
- भारतीय राजनीति के टिप्पणीकार- ग्रानविले ऑस्टिन, मॉरिस जोन्स, रूडोल्फ और रूडोल्फ, रजनी कोठारी, सी.पी. भांबरी और अमर्त्य सेन।
- राजस्थान की राजनीति- राजस्थान का गठन; राजस्थान में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के विभिन्न चरण, राजस्थान में दलीय राजनीति के निर्धारक, राजस्थान में जन आंदोलन।

5. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और भारतीय विदेश नीति

- महाशक्तियों का उदय, शीत युद्ध और द्विध्रुवीयता, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, शीत युद्ध की समाप्ति और विश्व व्यवस्था का पुनर्निर्माण।
- संयुक्त राष्ट्र: उद्देश्य, संरचना और कार्यप्रणाली, चार्टर का संशोधन। संयुक्त राष्ट्र में भारत का योगदान। क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय संगठन- सार्क, यूरोपीय संघ, अल्बा, आसियान, अफ्रीकी संघ, ओपेक, ब्रिक्स, बिम्सटेक, जी-20।
- समकालीन वैश्विक व्यवस्था में अमेरिकी आधिपत्य। परमाणु प्रसार और निरस्त्रीकरण, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में मानवाधिकारों का मुद्दा।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था: ब्रेटनवुड्स से डब्ल्यूटीओ तक, नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, उत्तर-दक्षिण संवाद, दक्षिण-दक्षिण सहयोग और पर्यावरणीय मुद्दे।
- अमेरिका, रूस, चीन और यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध: भारत और उसके पड़ोसी, 'पूर्व की ओर देखो' नीति, भारत और पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, प्रवासी भारतीय, भारतीय विदेश नीति का नव-उदारवादी स्वरूप।